एमसीएल में राजभाषा पखवाड़ा-2018 का उद्घाटन समारोह सम्पन्न

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय,जागृति विहार में दिनांक 13.09.2018 को एमसीएल के निदेशक(तकनीकी/संचालन) श्री जे.पी. सिंह की अध्यक्षता में राजभाषा पखवाड़ा-2018 का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में एमसीएल के श्री मुनव्वर खुर्शीद,भा.रे.सु.ब,मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा निदेशक(वित्त) श्री के.आर. वासुदेवन सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। साथ ही जानेमाने साहित्यकार एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. शंकरलाल पुरोहित,पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी),बी.जे.बी कॉलेज, भुवनेश्वर,स्थानीय साहित्यकार प्रोफेसर के.पी. गुप्त, पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी), जीएम विश्वविद्यालय, संबलपुर तथा डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार,संबलपुर एवं मुख्यालय के महाप्रबंधक, अधिकारी/ कर्मचारीगण समारोह में उपस्थित हुए।

अध्यक्ष महोदय ने अपने आशीर्वचन में कहा कि हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो देश को एकता के सूत्र में पिरोता है। हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है जो हमारा राष्ट्रीय गौरव है। आजादी की लड़ाई लड़ने से लेकर आजादी हासिल करने में हिंदी भाषा की मुख्य भूमिका रही है। यह विदेशों में हमारी पहचान बनती है। हिंदी अगर माँ है तो अन्य भारतीय भाषाएं मौसी है। इसमें कोई दो राय नहीं। उन्होंने बोलचाल के साथ-साथ कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग पर बल दिया। हमारा देश विभिन्न भाषा-भाषी एवं संस्कृति का देश है। विश्व के कई देशों के स्कूलों एवं कालेजों में हिंदी की पढ़ाई हो रही है। लोग आगे बढ़कर हिंदी सीख रहे हैं। आज के इस औद्योगीकरण के युग में हिंदी भाषा की महत्ता और भी बढ़ी है।

मुख्य वक्ता डॉ. शंकर लाल पुरोहित ने कहा हिंदी किसी की मोहताज नहीं है यह अपने दम पर आगे बढ़ी है और इसी तरह बढ़ती रहेगी। इसकी विकास की धारा अवाध गति से चलती रहेगी। जो शब्द या जो भाषा प्रयोग में नहीं आती है वह मृतप्राय हो जाती है। मूल रूप से उन्होंने कहा कि आजकल कार्यालयों में सारे संसाधन उपलब्ध कर दिए जाते हैं, अत: राजभाषा हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग में कोई व्यवधान नहीं होनी चाहिए। औद्योगीकरण के मद्देनजर आज दुनिया के बहुत सारे देशों में हिंदी भाषा का पठन-पाठन चलाया जा रहा है।

विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर के पी गुप्त ने बड़े ही सारगर्भित ढंग से हिंदी के विकास की अभिव्यंजना की। उन्होंने कहा कि भाषा का विकास राजाश्रित,लोकाश्रित एवं धर्म आश्रित के रुप में होता है। राजभाषा हिंदी को राजाश्रय प्राप्त है अत: इसके विकास में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। हमें बोलचाल की भाषा में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करना चाहिए न कि अनुवाद की भाषा के रूप में। आगे उन्होंने हिंदी की विभिन्न विधाओं पर प्रकाश डाला किया। अंत में उन्होंने बड़ी ही सुन्दर रूबाईयां पढ़कर वक्तव्य को समाप्त किया ।

डॉ. शर्मा ने भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे मानव विकास के लिए अनिवार्य बताया/ भाषा का विकास मानव द्वारा किया जाता है और मानव का संस्कारित रूप भाषा की निर्मिति है।

इसके पूर्व अध्यक्ष महोदय द्वारा पुष्पगुच्छ,शॉल एवं श्रीफल से अतिथियों को सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा मंगलदीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह आरंभ हुआ। श्री बिष्णु चरण त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशि. संस्थान/राजभाषा/ मानव संसा.विकास) ने अतिथियों/प्रतिभागियों का स्वागत किया। स्वागत भाषण में श्री त्रिपाठी ने कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने पखवाड़े के दौरान आयोजित होनेवाली विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागिता करने हेतु अधिकारियों/कर्मचारियों से अनुरोध किया।

श्रीमती तूलिका बिश्वास,प्रबंधन प्रशिक्षु(राजभाषा),राजभाषा विभाग ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। प्रसिद्ध गजलकार एवं हिंदीसेवी श्री ओम प्रकाश मिश्र, मुख्य प्रबंधक(सिविल) द्वारा अतिथियों/ प्रतिभागियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कियिा गया। श्री मिश्र की गजलों से पूरी सभा तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा।

मुनव्वर खुर्शीद,

प्रो.के.पी.गुप्त
डॉ.शंकर लाल पुरो

जे. पी. सिंह

MCL
राजभाषा पखवाड़ा
उद्घाटन समारोह

MCL
राजभाषा पखवाड़ा
उद्घाटन समारोह